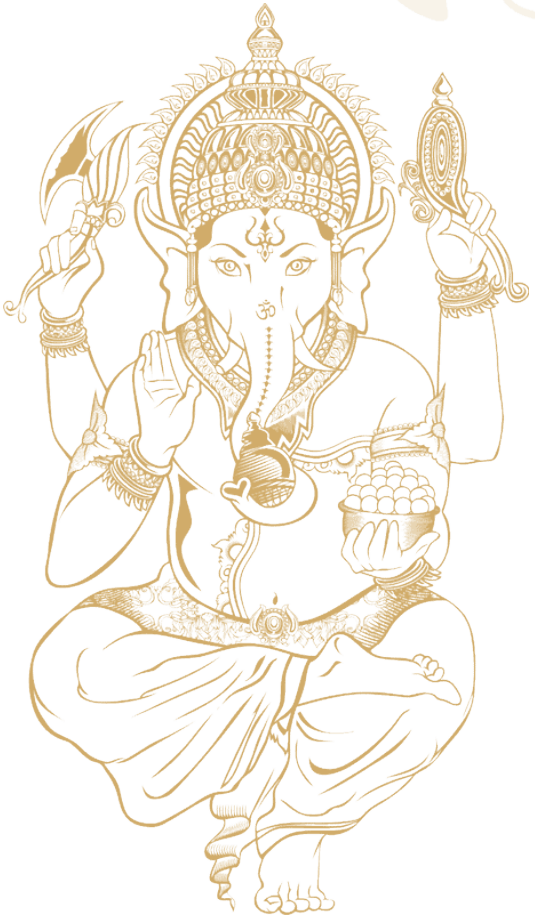

Prince Agrawal

10 Mar 1999

11:25 PM

Jabalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120970802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/03/1999**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**23:25:00 घंटे**
इष्ट	42:30:43 घटी
स्थान	**Jabalpur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:10:00 उत्तर
रेखांश	79:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:14:48 घंटे
वेलान्तर	-00:10:27 घंटे
साम्पातिक काल	10:26:40 घंटे
सूर्योदय	06:24:42 घंटे
सूर्यास्त	18:16:54 घंटे
दिनमान	11:52:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	25:51:54 कुम्भ
लग्न के अंश	05:59:33 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्धि
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	05:59:33	315:13:42	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
सूर्य			कुंभ	25:51:54	00:59:57	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	00:06:53	12:03:44	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
मंगल			तुला	17:59:42	00:05:30	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	सम राशि
बुध	व		मीन	10:12:06	00:03:14	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	नीच राशि
गुरु			मीन	12:03:13	00:14:16	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			मीन	26:50:42	01:13:05	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	उच्च राशि
शनि			मेष	07:08:40	00:06:24	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु			कर्क	27:55:45	00:00:15	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			मक	27:55:45	00:00:15	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	20:57:30	00:03:01	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	09:39:42	00:01:43	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:39:04	00:00:07	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	10:58:26	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:34

लग्न-चलित

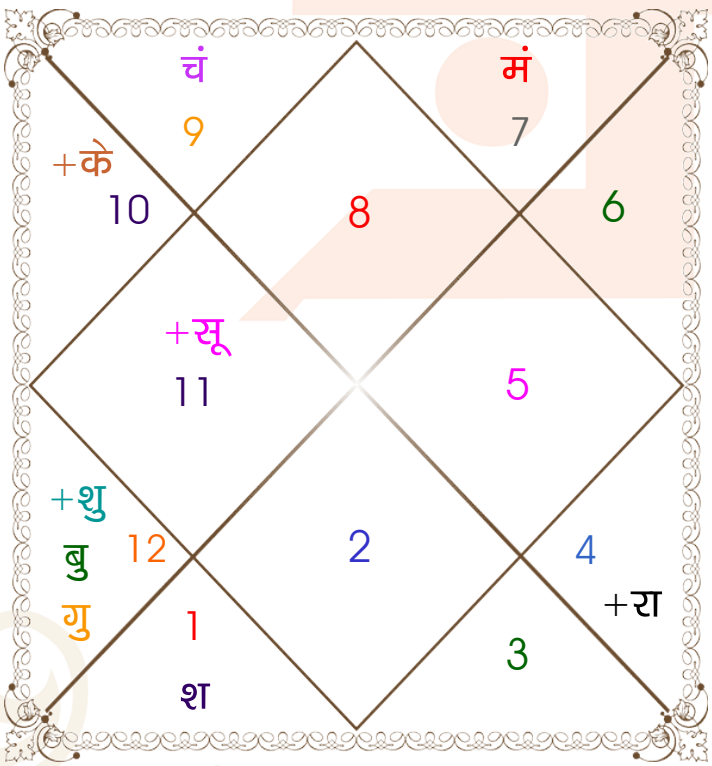

चन्द्र कुंडली

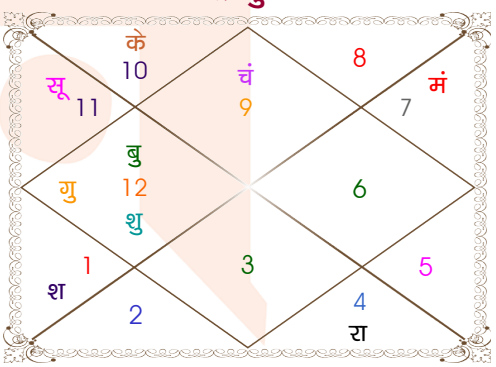

नवमांश कुंडली

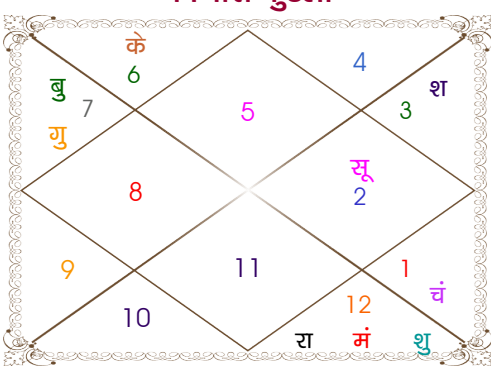

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 11 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/03/1999		16/02/2006		16/02/2026		17/02/2032		16/02/2042	
16/02/2006		16/02/2026		17/02/2032		16/02/2042		16/02/2049	
केतु	16/07/1999	शुक्र	18/06/2009	सूर्य	06/06/2026	चंद्र	17/12/2032	मंगल	15/07/2042
शुक्र	14/09/2000	सूर्य	18/06/2010	चंद्र	05/12/2026	मंगल	18/07/2033	राहु	03/08/2043
सूर्य	20/01/2001	चंद्र	17/02/2012	मंगल	12/04/2027	राहु	17/01/2035	गुरु	09/07/2044
चंद्र	21/08/2001	मंगल	18/04/2013	राहु	06/03/2028	गुरु	18/05/2036	शनि	18/08/2045
मंगल	17/01/2002	राहु	18/04/2016	गुरु	23/12/2028	शनि	17/12/2037	बुध	15/08/2046
राहु	04/02/2003	गुरु	18/12/2018	शनि	05/12/2029	बुध	19/05/2039	केतु	11/01/2047
गुरु	11/01/2004	शनि	16/02/2022	बुध	12/10/2030	केतु	18/12/2039	शुक्र	12/03/2048
शनि	19/02/2005	बुध	17/12/2024	केतु	16/02/2031	शुक्र	18/08/2041	सूर्य	18/07/2048
बुध	16/02/2006	केतु	16/02/2026	शुक्र	17/02/2032	सूर्य	16/02/2042	चंद्र	16/02/2049

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/02/2049		16/02/2067		16/02/2083		17/02/2102		17/02/2119	
16/02/2067		16/02/2083		17/02/2102		17/02/2119		00/00/0000	
राहु	30/10/2051	गुरु	06/04/2069	शनि	19/02/2086	बुध	16/07/2104	केतु	11/03/2119
गुरु	25/03/2054	शनि	18/10/2071	बुध	29/10/2088	केतु	13/07/2105		00/00/0000
शनि	29/01/2057	बुध	23/01/2074	केतु	08/12/2089	शुक्र	13/05/2108		00/00/0000
बुध	18/08/2059	केतु	30/12/2074	शुक्र	07/02/2093	सूर्य	19/03/2109		00/00/0000
केतु	05/09/2060	शुक्र	30/08/2077	सूर्य	20/01/2094	चंद्र	19/08/2110		00/00/0000
शुक्र	05/09/2063	सूर्य	18/06/2078	चंद्र	21/08/2095	मंगल	16/08/2111		00/00/0000
सूर्य	30/07/2064	चंद्र	18/10/2079	मंगल	29/09/2096	राहु	04/03/2114		00/00/0000
चंद्र	29/01/2066	मंगल	23/09/2080	राहु	06/08/2099	गुरु	09/06/2116		00/00/0000
मंगल	16/02/2067	राहु	16/02/2083	गुरु	17/02/2102	शनि	17/02/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 11 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के प्रथम चरण मे वृश्चिक लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृश्चिक लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्र प्रभावानुसार यह सुनिश्चित संभावना है कि आप वैदेशिक यात्रा पर जाएंगे और वहीं अपना निवास बनाकर सुनिश्चित हो जाएंगे।

आप धनी, समृद्ध एवं तीव्र बुद्धि के स्वस्थ प्राणी होंगे। स्वाभाविक रूप से आप भ्रमण प्रिय होंगे तथा आप नये-नये स्थानों का परिदर्शन अर्थात् परिभ्रमण करने में समर्थ होंगे। आप में अनेकोनेक गुण विद्यमान हैं जो आपके यथेष्ठ धनोपार्जन में सहायक होगा। आप व्यक्तिगत रूप से अत्यंत ही दृढ़ निश्चयी हैं। आप अपने उद्देश्य से लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम करेंगे। आप अपने खेल के पत्ते को उसके लिए बंद कर देते हैं, जिनके संबंध में आपका हृदय स्वीकार नहीं करता। यदि अन्य व्यक्ति आपको सुनिश्चित कार्य-व्यवसाय हेतु प्रेरित करता है तो आप निश्चित समय पर निश्चित रीति से कार्य संपादन कर लेते हैं। आपकी भावनाओं अर्थात् बातों को समझ कर ठीक तरीके से कार्यान्वयन कर लेना किसी के लिए भी यह दुरूह कार्य है। आप निःसंदेह अत्यंत मधुर भाव से अपनी भावना के प्रतिकूल आचरण करने लगते हैं; लेकिन सभी लोग यह जानते हैं कि आप जो मुंह से उच्चारण करते हैं, वह सत्य नहीं है। स्पष्टतः आपकी उपस्थिति आपसे संबंधित बातों के लिए भ्रामक प्रमाणित होता है। आपकी आलस्यपूर्ण रवैया के प्रति आप ध्यान नहीं देते। यह उद्देश्य आपसे संबंधित कार्य संपादन हेतु अनैतिक कार्य है। आप किसी भी अवसर पर कोई भी अपेक्षित कार्यकाल अपनी अति प्रतिशोधात्मक मुद्रा अपना लेते हैं। इसलिए आप से संबंधित आपका कार्य बिना किसी भी बाधा के धीरे-धीरे संपादित हो जाता है।

आपकी ऐसी प्रवृति है कि आप स्वयं अपनी आस्था के अनुसार किसी भी विषय की गंभीरता पूर्वक जांच पड़ताल कर लेते हैं, क्योंकि आप परिपक्व बुद्धि के प्राणी है। आप अपने हित के लिए किसी भी यथार्थ कार्य हेतु संबंधित कठिन निर्णय लेकर अपने कार्य को सुगमतापूर्वक कार्य रूप देते हैं। आप स्वतंत्र निष्पक्ष एवं निर्भीक प्राणी हैं। आप अपने कार्य उद्देश्य को लक्ष्य तक पहुंचाने में अपनी नीति के साथ किसी भी प्रकार की बुराई के प्रति सतर्कता पूर्ण रवैया अपनाकर चाहे जो कुछ भी व्यवधान हो। उसे स्पष्ट कर लेते हैं। आप स्वाभाविक रूप से आर्थिक सहयोग प्रदान कर प्रचूर मात्रा में आपको धनवान बनने का सौभाग्य प्रदान करता है।

आप धन संचय द्वारा समय-समय पर अपनी प्रवृति को मोड़कर उदरतापूर्वक अपने संबंधी एवं मित्रों को बहुतायत में अर्थात् पर्याप्त मात्रा में आर्थिक अनुदान देते हैं जो आपको उनके मध्य प्रसिद्ध बनाता है। आप अपनी विश्वसनीयता एवं सुयोग्य पत्नी के साथ अपना प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन को शान्तिपूर्वक बिताएंगे। आपके लिए आदर्श जीवन संगिनी हेतु उपयुक्त एवं दर्शनीय व्यक्ति वह है जिसका जन्म राशि वृश्चिक, कर्क, मीन, कन्या, मकर अथवा वृष राशि हो। आप अति उत्तम संतान के साथ सौभाग्यशाली जीवन यापन करेंगे।

आपका व्यक्तित्व बहुत उत्तम है। आप औसतन लंबाई से युक्त पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। यदि आप किसी भी प्रकार का जोखिमपूर्ण कार्य किया तो कुछ वर्षों के पश्चात् आप प्रजनन दौर्व्यल्यता, इंद्रिय रोग एवं अनिंद्रा रोग से युक्त एवं आक्रांत हो जाएंगे। अतः आप इस प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्कता पूर्वक कदम उठाएं। यह प्रक्रिया आपके स्वास्थ्य रक्षा हेतु उत्तम एवं सहायक होगा।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आप अंको में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक को अपने हित में सम्मिलित कर सकते हैं, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहरणीय है।

रंगों में रंग नीला, सफेद एवं हरा रंग अनुपयुक्त है जबकि रंग लाल, नारंगी, पीला एवं क्रीम रंग आपके हित अनुकूल है।